

HINDI FILE



DREAM
FOR NATION



DARE
TO SERVE



DELIVER
WITH INTEGRITY

DAILY PRACTICE QUESTIONS

BEST FOR UPSC | UP PCS EXAM

DATE : **JULY 25, 2026**



Comprehensive
Coverage



Exam-Focused
Analysis



Concept Clarity
& Insights



Practice MCQs
with Explanation



Daily Updates,
Better Results



CONTACT INFO:

+91 92896 33341 | +91 96679 33341



EMAIL ID:

info@sixsigmaias.com



WEB PAGE:

www.sixsigmaias.com



ADDRESS:

C-6, GROUND FLOOR, SECTOR 2,
NEAR SECTOR 15 METRO STATION, NOIDA – 201301, UTTAR PRADESH

दैनिक अभ्यास प्रश्न - स्थैतिक भाग से

प्रश्न 1. मौर्य प्रशासन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. कौटिल्य का अर्थशास्त्र नागरिक और धार्मिक दोनों प्रकार के छद्मवेशों का उपयोग करने वाली एक सुव्यवस्थित गुप्तचर प्रणाली को संदर्भित करता है।
2. मौर्य सेना मुख्य रूप से कुल (वंश) आधारित संबद्धताओं के माध्यम से भर्ती किए गए वेतनभोगी सैनिकों से बनी थी।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं? (a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a) केवल 1

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है।** अर्थशास्त्र वास्तव में तपस्वियों, गृहस्थों, व्यापारियों आदि के छद्मवेश में जासूसों का उपयोग करते हुए एक विस्तृत गुप्तचर प्रणाली की रूपरेखा प्रस्तुत करता है। यह मौर्य प्रशासनिक व्यवस्था की रणनीतिक गहराई को दर्शाता है।
- **कथन 2 गलत है।** यद्यपि शुरुआती सेनाओं में कुल (वंश) संबद्धताएं रही होंगी, लेकिन मौर्य सेना नियमित वेतन वाली एक पेशेवर स्थायी सेना थी, जो मुख्य रूप से नातेदारी संबंधों के माध्यम से भर्ती नहीं की जाती थी। मेगस्थनीज की 'इंडिका' नकद भुगतान की जाने वाली एक सुव्यवस्थित सेना के अपने विवरण के साथ इसका समर्थन करती है।

प्रश्न 2. पारिस्थितिकी में "इकोटोन" (संक्रमणिका) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. एक इकोटोन में हमेशा आस-पास के पारिस्थितिक तंत्रों की तुलना में कम प्रजाति समृद्धि होती है।
2. 'एज स्पीशीज' (कोर प्रजातियां) वे प्रजातियां हैं जो विशेष रूप से इकोटोन क्षेत्रों में फलती-फूलती हैं।
3. इकोटोन प्राकृतिक (जैसे, मैंग्रोव) और मानवजनित (जैसे, कृषि-वानिकी क्षेत्र) दोनों हो सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन से सही हैं? (a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b) केवल 2 और 3

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है।** इकोटोन अक्सर "एज इफेक्ट" (कोर प्रभाव) को प्रदर्शित करते हैं—जिससे प्रजातियों की विविधता अधिक होती है, न कि कम।
- **कथन 2 सही है।** एज स्पीशीज (Edge species) विशेष रूप से संक्रमण क्षेत्रों के लिए अनुकूलित होती हैं और दोनों पारिस्थितिक तंत्रों से संसाधनों की उपलब्धता के कारण फलती-फूलती हैं।
- **कथन 3 सही है।** इकोटोन ज्वारनदमुख (estuaries) की तरह प्राकृतिक और कृषि योग्य भूमि तथा वन के बीच बफर ज़ोन की तरह मानवजनित दोनों हो सकते हैं।

प्रश्न 3. भारतीय संदर्भ में "कोर मुद्रास्फीति" (Core Inflation) की अवधारणा के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. कोर मुद्रास्फीति उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) से खाद्य और ईंधन घटकों को बाहर करती है।
2. यह मौसमी अस्थिरता से अप्रभावित मूल्य स्तर में दीर्घकालिक प्रवृत्ति को दर्शाती है।
3. आरबीआई (RBI) अपने मौद्रिक नीति ढांचे के तहत आधिकारिक तौर पर कोर मुद्रास्फीति को लक्षित करता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन से सही हैं? (a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a) केवल 1 और 2

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है।** स्थिर प्रवृत्तियों को दर्शाने के लिए कोर मुद्रास्फीति खाद्य और ईंधन जैसी अस्थिर वस्तुओं को हटा देती है।
- **कथन 2 सही है।** इसका उपयोग निरंतर मूल्य परिवर्तनों और अंतर्निहित मुद्रास्फीति के दबावों को समझने के लिए किया जाता है।
- **कथन 3 गलत है।** भारत सरकार के साथ मौद्रिक नीति समझौते के अनुसार (लक्ष्य: $4\% \pm 2\%$), आरबीआई हेडलाइन सीपीआई (CPI) मुद्रास्फीति को लक्षित करता है, न कि कोर मुद्रास्फीति को।

प्रश्न 4. लोकसभा अध्यक्ष (स्पीकर) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. लोकसभा के भंग होते ही अध्यक्ष तुरंत अपना पद छोड़ देता है।
2. अध्यक्ष को लोकसभा के प्रभावी बहुमत (absolute majority) द्वारा पारित संकल्प द्वारा पद से हटाया जा सकता है।

3. संसद की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करते समय, टाई (बराबर मत) होने की स्थिति में अध्यक्ष के पास निर्णायक मत (casting vote) होता है।
4. अध्यक्ष दल-बदल विरोधी कानून के तहत सदस्यों की अयोग्यता पर निर्णय लेता है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं? (a) केवल 2 और 4

- (b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 2, 3 और 4
(d) केवल 1, 3 और 4

उत्तर: (a) केवल 2 और 4

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है।** नई लोकसभा के चुने जाने तक लोकसभा भंग होने के बाद भी अध्यक्ष अपने पद पर बना रहता है।
- **कथन 2 सही है।** अध्यक्ष को सदन के प्रभावी बहुमत (सदन के कुल सदस्यों के 50% से अधिक) द्वारा हटाया जा सकता है।
- **कथन 3 गलत है।** संयुक्त बैठक में, पीठासीन अधिकारी (आमतौर पर अध्यक्ष) सत्र का संचालन करता है, और सामान्य बैठकों की तरह टाई होने की स्थिति में उसके पास निर्णायक मत देने का अधिकार होता है; हालाँकि, यह कथन कि संयुक्त बैठक में निर्णायक मत नहीं होता और विधेयक विफल हो जाता है, भारतीय संविधान के तहत तथ्यात्मक रूप से गलत है (अनुच्छेद 100/108 के तहत अध्यक्ष का निर्णायक मत होता है), इसीलिए कथन 3 गलत है।
- **कथन 4 सही है।** अध्यक्ष दसवीं अनुसूची (दल-बदल विरोधी कानून) के तहत अयोग्यता पर निर्णय लेता है।

प्रश्न 5. कथन-कारण प्रकार –

कथन (A): चीन-तुल्य जलवायु (China-type climate) स्पष्ट रूप से आर्द्र ग्रीष्मकाल और शुष्क शीतकाल को दर्शाती है।

कारण (R): इस जलवायु में ग्रीष्मकाल में नम मानसूनी हवाओं और शीतकाल में शुष्क महाद्वीपीय हवाओं का प्रभुत्व रहता है।

- (a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।
(b) A और R दोनों सत्य हैं, लेकिन R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
(c) A सत्य है, लेकिन R असत्य है।
(d) A असत्य है, लेकिन R सत्य है।

उत्तर: (a) A और R दोनों सत्य हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।

व्याख्या:

- पूर्वी चीन, दक्षिणी जापान, दक्षिण-पूर्वी अमेरिका के कुछ हिस्सों और दक्षिण-पूर्वी ब्राजील में पाई जाने वाली चीन-तुल्य जलवायु (उष्ण समशीतोष्ण पूर्वी किनारा) गर्म, आर्द्र ग्रीष्मकाल और ठंडी, शुष्क सर्दियों द्वारा चिह्नित होती है।
- यह पैटर्न मानसूनी हवाओं के कारण है: ग्रीष्मकाल में, महासागरों से आने वाली गर्म नम हवाएँ भारी वर्षा लाती हैं, जबकि शीतकाल में, शुष्क महाद्वीपीय हवाएँ हावी रहती हैं, जिससे शुष्क मौसम बनता है।
- इस प्रकार, A और R दोनों सत्य हैं, और R, A की सही व्याख्या करता है।

दैनिक अभ्यास प्रश्न – करंट अफेयर्स अनुभाग से

प्रश्न 1. भारत की हाइड्रोजन चालित ड्राइविंग पावर कार (DPC) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. हाइड्रोजन चालित DPC विशेष रूप से बायोमास गैसीकरण से उत्पादित ग्रीन हाइड्रोजन द्वारा संचालित होती है।
2. नैरो गेज सेक्शन पर शून्य-उत्सर्जन गतिशीलता प्राप्त करने के लिए भारतीय रेलवे द्वारा इसका परीक्षण किया जा रहा है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं? (a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों

(d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d) न तो 1 और न ही 2

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है।** उपयोग की जाने वाली हाइड्रोजन आमतौर पर नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग करके इलेक्ट्रोलाइज़र द्वारा उत्पादित ग्रीन हाइड्रोजन होती है, न कि बायोमास गैसीकरण से (जो बायो-हाइड्रोजन या ग्रे हाइड्रोजन के अंतर्गत आएगी)।
- **कथन 2 गलत है।** हाइड्रोजन चालित ड्राइविंग पावर कार का परीक्षण ब्रॉड गेज मार्गों पर किया जा रहा है, जैसे कि हरियाणा में सोनीपत-जींद खंड, न कि नैरो गेज पर। यह उच्च घनत्व वाले रेल मार्गों को डीकार्बोनाइज (कार्बन मुक्त) करने की दिशा में एक बदलाव का प्रतीक है।

प्रश्न 2. ब्लैक होल GRS 1915+105 हाल ही में खबरों में क्यों था?

- (a) इसे पहली बार माइक्रोक्वासर से गुरुत्वाकर्षण तरंगें उत्सर्जित करते हुए देखा गया था।
- (b) इसने एक अभूतपूर्व धुंधलापन (dimming) प्रदर्शित किया, जिसने खगोल भौतिकविदों को भ्रमित कर दिया।
- (c) इसकी पहचान आकाशगंगा (मिल्की वे) में पृथ्वी के सबसे निकटतम ब्लैक होल के रूप में की गई है।
- (d) नासा ने इसकी परिक्रमा करने वाले एक रहने योग्य बाह्यग्रह (एक्सोप्लैनेट) की उपस्थिति की पुष्टि की।

उत्तर: (b) इसने एक अभूतपूर्व धुंधलापन (dimming) प्रदर्शित किया, जिसने खगोल भौतिकविदों को भ्रमित कर दिया।

व्याख्या:

- GRS 1915+105 एक प्रसिद्ध तारकीय-द्रव्यमान (stellar-mass) ब्लैक होल है और यह एक माइक्रोक्वासर प्रणाली का हिस्सा है।
- मई 2023 में इसमें अप्रत्याशित रूप से धुंधलापन आ गया, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हो गई क्योंकि एक्स-रे उत्सर्जन में इतनी बड़ी गिरावट पहले कभी नहीं देखी गई थी।
- वैज्ञानिकों को संदेह है कि गैस का एक विशाल बादल इस ब्लैक होल को ढक रहा (obscuring) हो सकता है।
- इसने अभिवृद्धि प्रक्रियाओं (accretion processes) और डिस्क गतिकी के बारे में मूल्यवान सुराग प्रदान किए।

प्रश्न 3. राजेंद्र चोल प्रथम के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

- उन्होंने दक्षिण पूर्व एशिया में श्रीविजय साम्राज्य पर सीधा चोल नियंत्रण स्थापित किया।
- उन्होंने अपने उत्तरी अभियानों की स्मृति में अपनी राजधानी तंजावुर से बदलकर गंगैकोंड चोलपुरम कर दी।
- उनके शासनकाल में नौसैनिक अभियान मुख्य रूप से बंगाल की खाड़ी में अरब प्रभाव को रोकने के लिए निर्देशित था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन से कथन सही हैं? (a) केवल 1 और 2

- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 1 और 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a) केवल 1 और 2

व्याख्या:

- कथन 1 सही है।** राजेंद्र चोल प्रथम ने 1025 ईस्वी में श्रीविजय (आधुनिक इंडोनेशिया) के खिलाफ एक सफल नौसैनिक अभियान चलाया और समुद्री प्रभुत्व स्थापित किया।
- कथन 2 सही है।** गंगा तक अपनी उत्तरी विजयों के बाद, उन्होंने गंगैकोंड चोलपुरम का निर्माण किया और इसे अपनी राजधानी बनाया।

- **कथन 3 गलत है।** उनका नौसैनिक अभियान व्यापारिक मार्गों पर नियंत्रण करने और दक्षिण-पूर्व एशियाई समुद्री शक्तियों पर हावी होने के लिए था—विशेष रूप से अरब प्रभाव को रोकने के लिए नहीं, जो पश्चिमी हिंद महासागर में अधिक प्रचलित था।

प्रश्न 4. अटल पेंशन योजना (APY) के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह योजना कर योग्य आय सीमा से कम कमाने वाले सभी अनौपचारिक क्षेत्र के श्रमिकों के लिए अनिवार्य है।
2. सरकारी सह-अंशदान (co-contribution) सभी अंशदाताओं को उपलब्ध है, चाहे उनकी आय की स्थिति कुछ भी हो।
3. अंशदाता 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने के बाद ₹1,000 से ₹5,000 प्रति माह तक के विभिन्न पेंशन स्लैब चुन सकते हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं? (a) केवल 1 और 3

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c) केवल 3

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है।** यह योजना स्वैच्छिक है, अनिवार्य नहीं।
- **कथन 2 गलत है।** सरकारी सह-अंशदान केवल गैर-करदाताओं के लिए और केवल एक सीमित समय के लिए (पात्र ग्राहकों के लिए 2015 से 5 वर्षों के लिए) उपलब्ध था।
- **कथन 3 सही है।** यह योजना अंशदाताओं को उनके योगदान के आधार पर 60 वर्ष की आयु के बाद ₹1,000 से ₹5,000 के मासिक पेंशन विकल्पों में से चुनने की अनुमति देती है।

प्रश्न 5. पीएम विकसित भारत रोजगार योजना (PM-VBRY) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह योजना नए पंजीकृत सूक्ष्म उद्यमों में महिलाओं और एससी/एसटी (SC/ST) उम्मीदवारों के रोजगार को प्रोत्साहित करने के लिए डिज़ाइन की गई है।
2. यह पात्र कर्मचारियों के लिए नियोक्ता और कर्मचारी दोनों के ईपीएफओ (EPFO) खातों में केंद्र सरकार का योगदान प्रदान करती है।
3. यह कंपनी अधिनियम, एमएसएमई (MSME) अधिनियम और सहकारी समिति अधिनियम के तहत पंजीकृत प्रतिष्ठानों पर लागू होती है।
4. लाभ केवल उन प्रतिष्ठानों तक सीमित हैं जो 500 से कम श्रमिकों को रोजगार देते हैं और 1 अप्रैल, 2024 के बाद निगमित (incorporated) हुए हैं।

उपर्युक्त कथनों में से कौन से सही हैं? (a) केवल 1, 2 और 3

(b) केवल 2, 3 और 4

(c) केवल 1 और 4

(d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (d) 1, 2, 3 और 4

व्याख्या:

• सभी कथन सही हैं।

- यह योजना विशेष रूप से महिलाओं और वंचित समूहों (SC/ST) के लिए रोजगार सृजन को लक्षित करती है।
- यह नए पात्र कर्मचारियों के लिए 12% नियोक्ता और 12% कर्मचारी ईपीएफ अंशदान केंद्र सरकार द्वारा वहन किए जाने का प्रावधान करती है।
- यह 1 अप्रैल, 2024 के बाद पंजीकृत कंपनियों, एमएसएमई (MSMEs) और सहकारी समितियों पर लागू होती है।
- यह 500 से कम कर्मचारियों वाले प्रतिष्ठानों पर केंद्रित है।

प्रश्न 6. निम्नलिखित दक्षिण भारतीय पर्वत श्रृंखलाओं को पश्चिम से पूर्व की ओर व्यवस्थित कीजिए:

1. अनाईमलाई पहाड़ियाँ
2. पलानी पहाड़ियाँ
3. शेवरॉय पहाड़ियाँ
4. जावड़ी पहाड़ियाँ

सही क्रम चुनिए: (a) 1-2-3-4

(b) 2-1-3-4

(c) 1-2-4-3

(d) 2-3-1-4

उत्तर: (a) 1-2-3-4

व्याख्या:

- अनाईमलाई पहाड़ियाँ केरल-तमिलनाडु सीमा में स्थित हैं और सबसे पश्चिम में हैं।
- पलानी पहाड़ियाँ अनाईमलाई के पूर्व में स्थित हैं, जो पूर्वी घाट के जुड़ाव का हिस्सा बनती हैं।
- शेवरॉय पहाड़ियाँ (सलेम के पास) पलानी के पूर्व में स्थित हैं।

- तिरुवन्नमलाई जिले में स्थित जावड़ी पहाड़ियाँ, शेवरॉय के और पूर्व में स्थित हैं।
- इस प्रकार, सही पश्चिम से पूर्व का क्रम है: अनार्मलाई → पलानी → शेवरॉय → जावड़ी।

दैनिक अभ्यास हेतु विषय आधारित प्रश्न

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र - 1 (GS Paper 1)

प्रश्न 1. स्वतंत्रता के तुरंत बाद की अवधि में भारत द्वारा सामना की गई प्रमुख चुनौतियों का परीक्षण कीजिए। एक आधुनिक राष्ट्र-राज्य की नींव रखने के लिए नेतृत्व ने उनका समाधान कैसे किया? (15 अंक)

उत्तर:

1947 में भारत की स्वतंत्रता अभूतपूर्व चुनौतियों के साथ आई। देश को ऐसे कई मुद्दों से निपटना पड़ा जिन्होंने एक आधुनिक राज्य के रूप में इसकी एकता और अस्तित्व को खतरे में डाल दिया था।

प्रमुख चुनौतियाँ:

- विभाजन और शरणार्थी संकट:** भारत के विभाजन के कारण बड़े पैमाने पर सांप्रदायिक हिंसा हुई और लगभग 1.5 करोड़ (15 मिलियन) लोग विस्थापित हुए।
- देशी रियासतों का एकीकरण:** 560 से अधिक देशी रियासतों को भारतीय संघ में एकीकृत किया जाना था, जिनमें से कई ने अवज्ञा प्रदर्शित की थी।
- आर्थिक बुनियादी ढांचे का अभाव:** औपनिवेशिक शोषण ने भारत को खराब औद्योगिक बुनियादी ढांचे के साथ दरिद्र/गरीब बना दिया था।
- भाषाई और जातीय विविधता:** भारत के विविध भाषाई और जातीय समूहों को समायोजित करना राष्ट्रीय एकता के लिए एक चुनौती था।
- संवैधानिक शून्यता:** भारत के पास शासन के लिए कोई स्पष्ट संवैधानिक ढांचा नहीं था और एक गणराज्य के लिए एक मजबूत नींव की आवश्यकता थी।

नेतृत्व की अनुक्रियाएं (समाधान):

- रियासतों का एकीकरण:** सरदार पटेल ने देशी रियासतों को एकीकृत करने के लिए कूटनीति और बल (जैसे हैदराबाद में 'ऑपरेशन पोलो') का प्रयोग किया।
- संविधान निर्माण:** डॉ. बी.आर. अंबेडकर ने एक आधुनिक, धर्मनिरपेक्ष और लोकतांत्रिक संविधान तैयार करने के लिए संविधान सभा का नेतृत्व किया।
- आर्थिक नियोजन:** जवाहरलाल नेहरू ने योजना आयोग जैसी संस्थाओं के माध्यम से 5-वर्षीय योजनाओं और राज्य के नेतृत्व वाले औद्योगीकरण के साथ एक मिश्रित अर्थव्यवस्था मॉडल अपनाया।

- **लोकतंत्र और संघवाद:** निरक्षरता के बावजूद सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को अपनाया गया, जो लोकतांत्रिक आदर्शों के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- **भाषाई पुनर्गठन:** राज्य पुनर्गठन अधिनियम, 1956 ने एकता को बनाए रखते हुए क्षेत्रीय आकांक्षाओं का समाधान किया।

निष्कर्ष:

स्वतंत्रता के बाद के भारत की सफलता व्यावहारिक नेतृत्व, संवैधानिक दृष्टि और संस्था-निर्माण के माध्यम से संकट को अवसर में बदलने की उसकी क्षमता में निहित थी। ये शुरुआती नींवें आज भी भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को बनाए हुए हैं।

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र - 2 (GS Paper 2)

प्रश्न 2. हाल के घटनाक्रमों के आलोक में, विकसित होते भारत-मालदीव संबंधों का समालोचनात्मक विश्लेषण कीजिए। हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री सुरक्षा और रणनीतिक हितों पर इसका क्या प्रभाव पड़ता है? (15 अंक)

उत्तर:

भारत और मालदीव ने पारंपरिक रूप से मजबूत सांस्कृतिक, आर्थिक और रणनीतिक संबंध साझा किए हैं। हालांकि, हाल के राजनीतिक बदलावों ने इस ऐतिहासिक रूप से सौहार्दपूर्ण संबंध की परीक्षा ली है।

हाल के घटनाक्रम:

- राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू (2023) के नेतृत्व में नई सरकार ने "चीन समर्थक" रुख अपनाया और एक पूर्व द्विपक्षीय समझौते के तहत मालदीव में तैनात भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस बुलाने की मांग की।
- घरेलू स्तर पर भारत-विरोधी बयानबाजी बढ़ी है, जिससे "इंडिया आउट" अभियानों में तेजी आई है।
- इसके साथ ही, चीन ने बंदरगाह निर्माण और ऋण सहित अपनी आर्थिक और ढांचागत उपस्थिति बढ़ा दी है।

भारत के लिए रणनीतिक महत्व:

- **भू-राजनीतिक स्थिति:** आठ डिग्री चैनल (Eight Degree Channel) में अपनी स्थिति और प्रमुख समुद्री संचार मार्गों (SLOCs) से निकटता के कारण मालदीव भारत की समुद्री डोमेन जागरूकता के लिए महत्वपूर्ण है।
- **समुद्री सुरक्षा:** मालदीव में भारतीय नौसेना के संचालन, जिसमें 'ऑपरेशन कैक्टस' (1988) जैसे मानवीय मिशन शामिल हैं, भारत के समुद्री प्रभाव को स्थापित करने में महत्वपूर्ण रहे हैं।
- **चीनी प्रभाव का मुकाबला:** चीन की "स्ट्रिंग ऑफ पर्स" (मोटियों की माला) रणनीति, जिसमें दोहरे उपयोग वाली बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शामिल हैं, हिंद महासागर में भारत के हितों को खतरे में डालती है।
- **सॉफ्ट पावर और विकासात्मक सहायता:** भारत ने बुनियादी ढांचे का निर्माण किया है, चिकित्सा निकासी की सुविधा दी है और बजटीय सहायता प्रदान की है।

भारत की प्रतिक्रिया:

- **कूटनीतिक संतुलन:** भारत ने आक्रामक रुख से बचते हुए गैर-हस्तक्षेप और विकास सहयोग पर ध्यान केंद्रित किया है।
- **समुद्री संबंधों का विविधीकरण:** भारत सेशेल्स, मॉरीशस और श्रीलंका जैसे अन्य हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) के देशों के साथ नौसैनिक समन्वय बढ़ा रहा है।

निष्कर्ष:

यद्यपि मालदीव एक महत्वपूर्ण भागीदार बना हुआ है, भारत को क्षेत्रीय सहयोग के साथ रणनीतिक सतर्कता को मिलाते हुए अपनी रणनीति को पुनर्गठित करना चाहिए, जिससे संप्रभुता और भावनाओं का सम्मान करते हुए समुद्री सर्वोच्चता सुनिश्चित की जा सके।

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र - 3 (GS Paper 3)

प्रश्न 3. अनौपचारिक क्षेत्र भारत की अर्थव्यवस्था की रीढ़ बना हुआ है, फिर भी औपचारिक नीतिगत ढाँचों में इसे लगातार दरकिनार किया जाता है। इस क्षेत्र द्वारा सामना की जाने वाली समस्याओं का विश्लेषण कीजिए और इसके औपचारिकीकरण के लिए नीतिगत उपायों का सुझाव दीजिए। (15 अंक)

उत्तर:

अनौपचारिक (असंगठित) क्षेत्र भारत के कार्यबल के लगभग 90% और सकल घरेलू उत्पाद (GDP) के लगभग 45% हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है, फिर भी इसे निरंतर प्रणालीगत उपेक्षा का सामना करना पड़ता है।

अनौपचारिक क्षेत्र द्वारा सामना की जाने वाली प्रमुख समस्याएं:

- **सामाजिक सुरक्षा का अभाव:** श्रमिकों के पास पेंशन, स्वास्थ्य बीमा या बेरोजगारी लाभों तक सीमित पहुंच है।
- **ऋण से बेदखली:** औपचारिक ऋण प्राप्त करने के लिए अनौपचारिक उद्यमों के पास संपार्श्विक (गारंटी) और वित्तीय दस्तावेजों का अभाव होता है।
- **नियामक बोझ:** अनुपालन लागत का डर छोटी इकाइयों को औपचारिक रूप से पंजीकरण करने से रोकता है।
- **खराब कार्य परिस्थितियां:** कम मजदूरी, अनुबंधों का न होना और असुरक्षित वातावरण व्यापक रूप से मौजूद हैं।
- **तकनीकी अलगाव:** सीमित डिजिटल साक्षरता डिजिटल भुगतान या ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के साथ एकीकरण में बाधा डालती है।

कोविड-19 का प्रभाव:

2020 की महामारी ने नौकरियों के नुकसान और रिवर्स माइग्रेशन (विपरीत प्रवास) के माध्यम से अनौपचारिक श्रमिकों की कमजोरियों को और उजागर कर दिया।

नीतिगत ढांचा और खामियां:

- **ई-श्रम पोर्टल (E-Shram Portal):** इसने अनौपचारिक श्रमिकों का मानचित्रण शुरू कर दिया है, लेकिन इसमें सार्वभौमिक कवरेज का अभाव है।

- **स्ट्रीट वेंडर्स अधिनियम, 2014:** यद्यपि यह प्रगतिशील है, फिर भी इसका कार्यान्वयन असमान रहा है।
- **मुद्रा योजना (MUDRA Scheme):** सूक्ष्म वित्त प्रदान करती है लेकिन अक्सर सबसे असंगठित क्षेत्रों तक नहीं पहुँच पाती है।

आगे का रास्ता:

- **सार्वभौमिक सामाजिक सुरक्षा:** सरलीकृत पंजीकरण के माध्यम से ईपीएफओ (EPFO) और ईएसआई (ESI) लाभों का विस्तार करना।
- **डिजिटल साक्षरता:** डिजिटल और वित्तीय समावेशन के लिए कौशल विकास कार्यक्रम चलाना।
- **पंजीकरण में आसानी:** न्यूनतम कागजी कार्रवाई के साथ एमएसएमई (MSMEs) को पंजीकृत करने के लिए एकल-खिड़की ऑनलाइन प्लेटफॉर्म प्रदान करना।
- **ऋण समावेशन:** स्वयं सहायता समूह (SHG)-बैंक लिंकेज और संपार्श्विक-मुक्त (बिना गारंटी) ऋण को प्रोत्साहित करना।
- **डेटा-संचालित नीति:** लक्षित कल्याणकारी लाभों के वितरण के लिए ई-श्रम डेटा को मजबूत करना।

निष्कर्ष:

अनौपचारिक क्षेत्र को मुख्यधारा में लाए बिना भारत समावेशी विकास का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकता। एक सहभागी नीतिगत मॉडल जो अधिकार-सुरक्षा और सशक्तिकरण के बीच संतुलन बनाए, वह समय की मांग है।

सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र - 4 (GS Paper 4)

प्रश्न 4. आप एक सूखाग्रस्त जिले में जिला कलेक्टर हैं। एक मीडिया रिपोर्ट सामने आई है जिसमें आरोप लगाया गया है कि सार्वजनिक वितरण के लिए निर्धारित सरकारी खाद्यान्न को आपके अधीनस्थों द्वारा निजी ठेकेदारों को भेज दिया गया था। जनता का आक्रोश बढ़ रहा है। आपकी कार्रवाई का तरीका क्या होगा? इसमें शामिल नैतिक दुविधाओं पर चर्चा कीजिए। (15 अंक)

उत्तर:

एक जिला कलेक्टर के रूप में, मेरी नैतिक जिम्मेदारी जनता के विश्वास को बनाए रखना, न्याय सुनिश्चित करना और कानून का शासन बनाए रखना है।

नैतिक दुविधाएं:

- **हितों का टकराव (Conflict of Interest):** अधीनस्थ अधिकारियों पर आरोप हैं; निष्पक्ष कार्रवाई से आंतरिक विरोध उत्पन्न हो सकता है।
- **जनता का दबाव बनाम निष्पक्ष जांच:** त्वरित जन-संतोष और प्रक्रियात्मक निष्पक्षता के बीच संतुलन बनाना।
- **पारदर्शिता बनाम संस्थागत प्रतिष्ठा:** सच उजागर करने से प्रशासन की छवि को नुकसान पहुंच सकता है।

कार्रवाई का तरीका:

1. तत्काल उपाय:

- जांच लंबित रहने तक शामिल अधिकारियों को निलंबित करना।
- आगे की गड़बड़ी को रोकने के लिए पीडीएस (PDS) रिकॉर्ड और आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करना।

2. स्वतंत्र जांच:

- एक विशेष जांच दल (SIT) का गठन करना या राज्य सतर्कता जांच का अनुरोध करना।
- अनियमितताओं की रिपोर्ट करने वाले कर्मचारियों या नागरिकों के लिए व्हिसलब्लोअर (सचेतक) सुरक्षा सुनिश्चित करना।

3. सार्वजनिक संचार:

- मुद्दे को स्वीकार करने और कार्रवाई के कदमों को रेखांकित करने के लिए एक प्रेस वार्ता आयोजित करना।
- जनविश्वास बहाल करने के लिए स्थानीय चैनलों का उपयोग करना।

4. प्रणालीगत सुधार:

- जीपीएस (GPS) ट्रैकिंग और बायोमेट्रिक प्रमाणीकरण का उपयोग करके पीडीएस आपूर्ति श्रृंखलाओं का डिजिटलीकरण करना।
- खाद्यान्न भंडारण और वितरण का थर्ड-पार्टी ऑडिट (तृतीय-पक्ष लेखापरीक्षण) कराना।

5. नैतिक नेतृत्व:

- भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता (Zero Tolerance) को सुदृढ़ करने में उदाहरण पेश करना।
- यदि खाद्यान्न के डायवर्जन से भुखमरी की स्थिति बनी है, तो प्रभावित परिवारों को राहत सहायता प्रदान करना।

शामिल मूल्य:

- सत्यनिष्ठा (Integrity)
- जवाबदेही (Accountability)
- सहानुभूति (Empathy)
- पारदर्शिता (Transparency)
- कानून का शासन (Rule of Law)

निष्कर्ष:

यह स्थिति नैतिक साहस और निर्णायक कार्रवाई की मांग करती है। एक लोक सेवक के रूप में, मुझे निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से कार्य करना चाहिए, जिससे प्रशासनिक जवाबदेही और जनविश्वास दोनों को बहाल किया जा सके।

समसामयिक विषय (Current Affairs)

प्रश्न 5. राजस्थान में सिरावास पवित्र उपवन (Sirawas sacred grove) का पुनरुद्धार सामुदायिक नेतृत्व वाले पारिस्थितिक जीर्णोद्धार का एक मॉडल प्रस्तुत करता है। भारत की जैव विविधता संरक्षण रणनीति में ऐसी पहलों के महत्व पर चर्चा कीजिए। (15 अंक)

उत्तर:

राजस्थान के जालोर जिले में कभी बंजर भूमि का टुकड़ा रहा 'सिरावास उपवन' (Sirawas Grove) स्थानीय बिश्नोई नेताओं के नेतृत्व में सामुदायिक प्रयासों के माध्यम से पुनर्जीवित हुआ है। यह जैव विविधता संरक्षण में पारंपरिक ज्ञान और सामुदायिक संरक्षण की शक्ति का प्रतीक है।

पहल का महत्व:

- **सामुदायिक भागीदारी:** स्थानीय लोगों ने उपवन की बाड़बंदी की, चराई को प्रतिबंधित किया और जल स्रोतों को पुनर्जीवित किया।
- **पारिस्थितिक स्थान के रूप में पवित्र उपवन:** पवित्र उपवन स्थानिक (endemic) और संकटग्रस्त वनस्पतियों और जीवों का संरक्षण करते हैं।
- **जल संचयन और सूक्ष्म जलवायु:** जोहड़ों (पारंपरिक जल संरचनाओं) के पुनरुद्धार से मिट्टी की नमी और जैव विविधता में सुधार हुआ।
- **सांस्कृतिक-पारिस्थितिक तालमेल:** पेड़ों और वन्यजीवों की रक्षा की बिश्नोई परंपराओं ने प्रत्यक्ष रूप से पारिस्थितिक लाभों में योगदान दिया।

भारत के लिए व्यापक निहितार्थ:

- **विकेंद्रीकृत शासन:** यह अनुच्छेद 243G और पेसा (PESA) अधिनियम के अनुरूप है, जो स्थानीय संस्थाओं को सशक्त बनाता है।
- **जलवायु लचीलापन:** सामुदायिक वन प्रबंधन मरुस्थलीकरण और जलवायु परिवर्तनशीलता के खिलाफ लचीलापन बढ़ाता है।
- **सतत विकास लक्ष्य (SDG 13 और 15):** जलवायु कार्रवाई और थल पर जीवन से संबंधित वैश्विक लक्ष्यों के अनुरूप है।
- **अनुकरणीयता (Replicability):** यह मॉडल कम लागत वाला, स्वदेशी ज्ञान पर आधारित और विभिन्न पारिस्थितिक क्षेत्रों के लिए अनुकूलनीय है।

चुनौतियाँ:

- समुदाय द्वारा संरक्षित क्षेत्रों के लिए नीतिगत मान्यता का अभाव।
- बुनियादी ढांचे या कृषि से अतिक्रमण का खतरा।
- पारंपरिक पर्यावरणीय भूमिकाओं में युवाओं की रुचि बनाए रखना।

आगे का रास्ता:

- राज्य जैव विविधता कार्य योजनाओं (SBAPs) में पवित्र उपवनों को एकीकृत करना।
- कैम्पा (CAMPAs) कोष और जैव विविधता बोर्डों के माध्यम से प्रोत्साहन प्रदान करना।

- सिरावास जैसे सफल मॉडलों का दस्तावेजीकरण करना और उन्हें देशभर में प्रसारित करना।

निष्कर्ष:

सिरावास उपवन केवल पारिस्थितिक पुनरुद्धार से कहीं अधिक है; यह कार्य रूप में नागरिक पारिस्थितिकी (civic ecology) का प्रतिनिधित्व करता है। भारत की संरक्षण रणनीति को समावेशी और लचीली पर्यावरण व्यवस्था हासिल करने के लिए ऐसे समुदाय-संचालित प्रयासों को अपनाना चाहिए।

